



ॐ नमो भगवते वासुदेवाय (द्वादशाक्षरी मन्त्र)

इन पाठों के बारे में

स्रोत

लिप्यन्तरण

हर पाठ अपने स्रोत, परम्परा और संस्करण के साथ छपा है। अन्य परम्पराओं और संस्करणों में शब्दों में थोड़ा अन्तर हो सकता है। रोमन पंक्ति देवनागरी से बना IAST लिप्यन्तरण है (ā = दीर्घ आ, ṇ = अनुस्वार, ḥ = विसर्ग, ś/ṣ = श/ष, c = च)। हिन्दी, अवधी और ब्रज पाठों में शब्द के अन्त का मौन 'अ' नहीं लिखा जाता। लिप्यन्तरण में वैदिक स्वर नहीं दिखते।

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय (द्वादशाक्षरी मन्त्र)

प्रकार	मूल मन्त्र
देवता	भगवान श्रीकृष्ण
संस्करण	प्रचलित पाठ
परम्परा	वैष्णव
स्रोत	श्रीमद्भागवत महापुराण — Bhagavata Purana, Skandha 4, chapter 8 (Narada's instruction to Dhruva)
आभार	पौराणिक; सार्वजनिक। अर्थ: उद्योग ज्योतिष सम्पादकीय टीम।

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

om namo bhagavate vāsudevāya ||

अर्थ

ॐ — भगवान वासुदेव को नमस्कार।

इस दस्तावेज़ के बारे में

इस दस्तावेज़ के पाठ सार्वजनिक (पब्लिक डोमेन) पारम्परिक भक्ति पाठ हैं या हमारी टीम द्वारा लिखे गए हैं, और अपने दर्ज स्रोत व संस्करण के साथ छपे हैं।

अर्थ हमारे शब्दों में संक्षिप्त व्याख्याएँ हैं, विद्वत्तापूर्ण अनुवाद नहीं। किसी पाठ के अपने श्लोकों में बताए लाभ पाठ का अंश हैं, गारण्टी नहीं।

कुछ साधनाएँ परम्परा से गुरु-मार्गदर्शन में की जाती हैं। अपनी परम्परा के मार्गदर्शन का पालन करें।